कानपुर को छोड़कर सभी मुख्य स्टेशनों से होकर जायेगी, कब निर्णय किया जायेगा ; और

(ग) क्या 90 गैज की पटरी बिछाने के फलस्वरूप वर्तमान सवारी गाड़ियों की गति बढ़ जायेगी और उन्हें अपने गन्तव्य स्थान पर पहुंचने में कम समय लगेगा।

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) झांसी-मानिकपुर खण्ड पर एक्सप्रैस गाड़ी चलाने का कोई विचार नहीं रहा है, क्योंकि मौजूदा गाड़ियों से इस खण्ड की यातायात संबंधी जरूरतें पर्याप्त रूप से पूरी हो जाती है।

(ख) उपर्युक्त (क) को देखते हुए झांसी और इलाहाबाद के रास्ते तूफान एक्सप्रैस चलाने का कोई विचार नहीं है। एक कारण यह भी है कि इससे टूण्डला-इलाहाबाद खण्ड एक गाडी से वंचित हो जायेगा और इसके अलावा सीधे जाने वाले यात्रियों की यात्रा का समय और किराया बढ़ जायेगा, जिससे उनको असुविधा होगी।

(ग) इस खण्ड पर पटरी बदलने का जो काम हो रहा है, उसके पूरा हो जाने पर, यह देखा जायेगा कि दूसरे लिहाज से खण्ड की हालत कैसी है और तब उसी के अनुसार वहां गाड़ियों की रफ्तार बढ़ाने के बारे में विचार किया जायेगा।

Import of Jute

4658. Shri Bhagwat Jha Azad:
Shri M. D. Dwivedi:
Shri S. C. Samanta:
Shri Subodh Hansda:
Shri P. C. Borooah:
Shrimati Savitri Nigam:

Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) whether Government are allowing very soon another huge consignment of jute involving a large amount of foreign exchange; and

(b) the total amount of jute imported during 1965?

The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri Shafi Qureshi): (a) The Government have recently authorised the import of 3 lakh bales of raw jute|mesta, in addition to 15 lakh bales authorised during June—December 1965.

(b) A quantity of 8.26 lakh bales of raw jute|mesta was imported during the calendar year 1965.

बांदा और कानपुर के बीच सवारी गाड़ियों का देर से चलना

4659. श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री भागवत झा आजाद :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री स० चं० सामन्त :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि बांदा और कानपुर के बीच शाखा लाइन पर सवारी गाड़ियां, विशेषकर रात को पहुंचने वाली गाड़ियां, सभी अन्य जोन पर दूसरी सवारी गाड़ियों की तरह प्राय: एक या डेढ़ घंटा लेट हो जाती हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन सवारी गाड़ियों में प्राय : किसान और कम आय वाले लोग यात्रा करते हैं जो आगे की गाड़ियां नहीं पकड़ पाते हैं और जिसके परिणामस्वरूप उन्हें 12 से 23–24 घण्टे प्लेटफार्मों पर गुजारने पड़ते हैं ; और

(ग) यदि हां, तो इस शाखा लाइन पर गाड़ियों को समय पर चलाने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ?